OM 21 DELHI_Page 1 and 2 14/01/2015 07:53 Page 1

ओमशान्ति मीडिया

18 जनवरी विश्व शांति दिवस पर विशेष

वर्ष - 15 अंक-21 फरवरी-I, 2015 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹8.00

विज्ञान और अध्यात्म को जोड़ें साथ-दादी जानकी

जीवन की पुन: खोज विषय पर त्रिदिवसीय महा सम्मेलन में विज्ञान और अध्यात्म के समन्वय पर चर्चा

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि व्यक्ति अपनी आत्मा के स्वधर्म को भूलने के कारण ही दु:खी व अशांत हो गया है। शांति, प्रेम व सुख तो परमात्मा की याद से ही आते हैं। यदि देश व समाज का सर्वांगीण विकास चाहिए तो उसके लिए ज़रूरी है कि अध्यात्म और विज्ञान दोनों में सामंजस्य बनाये रखा जाये। कबीर पीस मिशन के संस्थापक तथा लखनऊ के पूर्व आई.ए.एस राकेश मित्तल ने कहा कि जब हम अपने व्यवसाय में थे तब से संस्था के संपर्क में हैं। हमने अपने निजी जीवन से देखा है कि जीवन में तरक्की और शांति के विकास के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का कोई जवाब नहीं है। इससे जहाँ शांति और विकास के लिए काम करना सीख जाते हैं वहीं दूसरों के साथ व्यवहार करने की कला आ जाती है। संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि परमात्मा हम सभी आत्माओं का पिता है। इसलिए हमें सदा एक-दूसरे के कल्याण के लिए ही सोचना चाहिए। सतना के विधायक शंकर लाल तिवारी ने कहा कि विज्ञान ने हमें ऊँचाईयां दी हैं, इसमें कोई शक नहीं परंतु हमारे अंदर संस्कारों का गिरना चिंताजनक है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की बहनें इसके लिए जो सिखा रही हैं वह सराहनीय है। संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर, विज्ञान एवं अभियंता प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. सरला, प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु.मोहन सिंघल ने कहा कि भौतिक साधनों की चकाचौंध ने मानव जीवन को उलझा दिया है, जिसके कारण उसे जीवन की पुन: खोज की आवश्यकता महसूस हुई। मैं कौन हूँ यह जान लेने के पश्चात् आत्मा खुद को हल्का महसूस करने लगती है। पानीपत के भारत भूषण सहित कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये ।

शांतिवन। महा सम्मेलन का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ करते हुए दादी जानकी, दादी हृदयमोहिनी, ब्र.कु. निर्वैर, ब्र.कु. मोहन सिंघल, राकेश मित्तल तथा अन्य।

कहीं जीवन की दौड़ में पीछे न रह जाएं -अबरोल

शांतिवन। हम विज्ञान की दौड़ में दुनिया में तेजी से विकास कर रहे हैं। इसी तरह का विकास रहा तो आने वाले समय में जल्दी ही विकसित देशों की श्रेणी में खड़े होंगे। लेकिन जीवन की दौड़ में हम पीछे होते जा रहे हैं। जीवन तो है, परंतु मूल्यों के बिना अधूरा होता जा रहा है, कहीं इस मामले में हम पीछे ना छूट जायें। उक्त उद्गार राष्ट्रीय उर्वरक निगम लिमिटेड दिल्ली की मुख्य प्रबंधक नीरू अबरोल ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के शांतिवन परिसर में वैज्ञानिक एवं अभियंताओं के सम्मेलन में बोल रहीं थी। उन्होंने कहा कि चाहे महिला हो या पुरुष विज्ञान की तकनीकी का प्रयोग करे परंतु मूल्यों के साथ समझौता न करे। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने जिस तरह से विज्ञान के उपयोग के साथ आध्यात्मिकता को बनाये रखा है, इस विधि से जल्दी ही नयी दुनिया बन जायेगी। ये संस्था आज दुनिया की एकमात्र संस्था हैजिसका संचालन महिलाओं के हाथ में है। यह किसी अजूबे से कम नहीं है।

''स्वच्छ मन से स्वच्छ समाज-मीडिया का योगदान''

फरीदाबाद। ब्रह्माकुमारीज़ एवं सिटी प्रेस क्लब,फरीदाबाद के समायोजन से 'स्वच्छ मन से स्वच्छ समाज-मीडिया का योगदान'' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें शहर के नामचीन पत्रकारों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में लगभग 70 मीडियाकर्मी मौजूद थे। कार्यक्रम में प्रेस काउन्सिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार राजीव रंजन नाग मुख्य अतिथि थे तथा वरिष्ठ पत्रकार प्रो. कमल दीक्षित मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम का उद्देश्य था कि बाहरी व स्थूल सफाई के साथ-साथ अंदर की व सूक्ष्म सफाई अति आवश्यक है। यदि बाहरी एवं भीतर की सफाई दोनों साथ हों तो समाज में सम्पूर्ण रूप से स्वच्छता आ सकती है। हिंसा, अत्याचार, भ्रष्टाचार आदि बुराइयों की शुरुआत सबसे पहले मन में पैदा होने वाली बुराइयों को खत्म करना है। मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है जो आम लोगों तक सूचनाओं को पहुंचाने का कार्य करता है। इसलिए जल्दबाज़ी में ऐसा कोई निर्णय नहीं करना चाहिए जिससे समाज का वातावरण अशांत हो। मीडिया को समाज में शांति फैलाने का कार्य करने में अपना योगदान कैसे देना चाहिए इस पर एक परिचर्चा भी आयोजित की गई जिसमें पत्रकारों ने अपने अपने विचार रखे।

प्रो. कमल दीक्षित ने कहा कि भीतर के विकारों को अगर हम निकाल देते हैं तो आत्मिक बल बढ़ता है। इंसान पहले स्वयं को बदले, फिर समाज को बदलने का प्रयास करे। कार्यक्रम में आई विधायक सीमा त्रिखा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि स्थूल सफाई के साथ आंतरिक सफाई की यह पहल काबिले तारीफ है। सिटी प्रेस क्लब के प्रेसिडेंट एवं दैनिक जागरण, फरीदाबाद के ब्यूरो चीफ बिजेन्द्र बंसल ने कहा कि ये कार्यक्रम देश में एक नई शुरुआत है और यह कार्यक्रम ऐतिहासिक है क्योंकि इसमें समाज परिवर्तन में मीडिया की भूमिका एवं ज़िम्मेवारी के बारे में बात की गई है। जामिया मीलिया इस्लामिया के प्रो. सुरेश वर्मा ने मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता के बारे में अपने विचार रखो। उन्होंने कहा कि अच्छी सोच से लिया गया फैसला समाज की -शेष पेज.. 8 पर...

फरीदाबाद। कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए प्रो. कमल दीक्षित। साथ हैं राजीव रंजन नाग, सीमा त्रिखा, बिजेन्द्र बंसल , प्रो. सुरेश वर्मा तथा ब्र.कु. उषा।

99 वर्ष की हुई दादी जानकी,

स्वच्छता की प्रेरणा के साथ मना जन्मदिन

शांतिवन। अपने 99वें जन्मदिवस पर केक कटिंग करते हुए दादी जानकी। साथ हैं दादी हृदयमोहिनी, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. निर्वैर, ब्र.कु. रमेश शाह तथा वरिष्ठ भाई बहनें।

99 वर्ष की हुई दादी जानकी, स्वच्छता की प्रेरणा के साथ मना जन्मदिन...

शांतिवन। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी का 99 वां जन्मदिन समारोह आबू रोड में हर्षो- उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्था में कार्यरत श्रमिकों तथा आसपास के असहाय लोगों को कम्बल भी बांटे गये।

कार्यक्रम के दौरान कॉन्फ्रेन्स हॉल में आयोजित कार्यक्रम में संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर, अतिरिक्त महासचिव -शेष पेज..5 पर...